वस्त्रोकसारा und वस्त्रोकसारा f. 1) N. pr. eines Flusses MBB. 3,12908. 6,243. R. 2,94,25 (103, 26 Gobb.). — 2) Bez. von Kubera's Stadt H. 190. MBB. 7,2371. R. 5,9,61. RAGH. 16,10. वस्त्रोकसारा विन्द्रस्य घन-द्र्य च ॥ निलनीपुर्याः H. an. 5,42. fg. वस्त्रोकसारेन्द्रपुरे कुत्रेरनलिनीपुराः MBD. r. 308. An den unter 1) aufgeführten Stellen steht निलनी als Flussname neben वस्त्रोकसारा. — Vgl. वस्थारा und वस्सारा.

1. वर्तु, वँक्ति und वँक्ते (Naigh. 2,14 unter den गतिकर्माणि) Dulтир. 23,35 (प्रापपो). imperat. वार्त्स्म्, वार्त्स्म्, ऊढुम् TS. वाढुम् VS.; म्रवार् २. sg. म्रवातीत् ४०p. ८,134. म्रवातुम्, वित, वतत्, वातीत्, वतन्, वनतम्, (म्रा,वन्तिः, म्रवीढ Vop. 8,126. 134. उवाक् P. 6,1,17. Vop. 8,134. उहँयुम्, उहे vor. ८,१३4. अहिषे, अहिरे, अहिवंम्, अक्रपी: वह्यति Kår. 6 aus Siddi. K. zu P. 7,2,10. विह्यित MBii. 1,4796. 6053. Biiac. P. 4,25,36. Paskar. ed. orn. 22,21. बाढा, बाढ्म् P. 6,3,112. बोल्क्ब; उत्ता; pass. उत्ताँते; ऊठ P. 6,1,15. Hierher zieht Manion. auch बँदव VS. 8, 26, was vermuthlich eine Entstellung für वस्ति oder वस्त (von 3. वस्) ist. Vereinzelt ist (नि) उक्ति 3. sg. potent. 1) führen, fahren; mit Gespann oder zu Schiffe bringen, - fortführen, den Wagen ziehen, die Rosse führen d. h. lenken: श्रिन वामम् RV. 7,71, 2. ग्रम्री उषमं वर्रुतः 75,6. र्यः मूर्या वर्रुति 4,44,1. ग्रां वर्रुति मृन्यवे (ময়া:) 6, 16, 43. नैोभि: 1, 116, 3. पुत्ंगी: 4. ऋषों: 175, 4. पुट्टूं वर्क्छा धारे वोळक्वे 5,56,6. 1,116,5. 18. एका मधी वक्ति र्यम् 164,2. इन्हें क्री मोमपेयीय वततः 8,14,12. म्रश्च ऊक्विन् Air. Ba. 3,47. Çar. Ba. 6,6,3,3. PANKAV. BR. 13,12,14. AV. 6,82,2. CAT. BR. 1,4,4,15. KATJ. Ça. 15, 4, 32. TS. 1, 3, 8, 2. वर्हतं (die Füsse angeredet) प्राता गृहान् AV. 1,27,4. वर्क् वाया निय्ती पास्त्रस्मयः RV. 1,135,2. 7,90,1. — वर्क्त ये (म्रग्नाः) रचम् MBH. 3,1720. R. GOBB. 2,51,10. ते क्याः — म्रवक्न्माम् МВн. 5,7107. R. 2,45,11. R. Gorr. 2,41,15. क्या: — वरुति देवमादि-त्यम् Bala. P. 5,21, 15. पुरुषाणां शतान्यष्टा मञ्जूषामष्टचक्रस्यां ग्वीमूङः कवंचन R. Gonn. 1,69,4. उवारु मां व्हिर्एयपुर्मितकात्। र्थेन तेन मा-तिल: MBn. 3, 12214. शीघ्रं मां वक्स्व 13179. वक् मां कार्वान्प्रति 4, 1250. पदनेन रघेनैव लां वर्ह्यं पुरीं पुन: R. 2,32,51 (51,19 GORR.). HAміч. 9136. तता मामवक्तमूता रूपै: МВн. 5,7181. Внас. Р. 10,1,34 (med.). तच्किम्नवक्द्रजम् Vop. 5, 6. ग्राममजां वक्ति Sidde. К. zu Р. 1, 4, 51. নক্ষি বার্ড্ যে: शक्तः शरान्मम MBs. 1,8169. Agni führt oder geleitet die Gegenstände des Opfers zu den Göttern: स्वाक्राकृतं वित क्ट्यम RV. 2,3,11. 3,29,4. 10,15,12. Air. Ba. 3,47. म्रस्यापी पत्तं वरुत्ति 2,20. VS. 29, 3. कित पात्रीणि पत्तं वेकृति TBa. 1, 5, 4, 1. म्राब्यम् AV. 5, 8, 1. 되러니 7, 109, 2. 9, 5, 17. CAT. BR. 2, 2, 3, 28. med. RV. 2, 34, 12. VS. 6, 13. KAUÇ. 3. न च रूट्यं वर्हत्पाम: M. 4,249. R. 5,7,62. Buig. P. 4,7,41 (med.). क्वि: Çåк. 1. यज्ञम् R. 5,89,19. त्रिस्रोतसं वक्ति यो (वाय्ः) गगनप्रति-স্থান dahin treiben Çak. 165. — 2) intrans. fahren, zu Wagen durchlaufen, den Wagen lenken, am Wagen u. s. w. ziehen, dahinfahren; med.: वर्हनाना र्येन RV. 5, 31, 9. 36, 5. म्ह्री: 7, 45, 1. य माश्रशा वर्हते 5, 38, 1. 60, 7. 8, 46, 26. VS. 27, 33. act.: ता क् त्यद्वतित्रेक्युः शस्दर्शेः 6, 62,3. वरुत्रश्च: ein am Wagen ziehendes Pferd M. 8,146. क्यमल्पप्राणा वन्यतीमे क्या मम MBs. 3, 2786. 2795. म्रालिखत इवाकाशमूद्धः (क्याः) 4,1233. क्याम् नागाम् वक्ति देशिता: Spr. 463. R. 2,74,12 (76,17 GORR.). यानै: किंकारसंप्रक्ति कवाक् मध्मुद्दन: fuhr dahin Hanv. 6952. वर्कते ऽपं

मघवा सर्विसेन: zieht (in reisigem Zuge) R.V. 5,30,3. श्रपंश्यं ग्रामं वर्हमा-नमारात् 10,27,19. न नाभिभङ्गे ऋरिया वक्ति laufen, rollen Spr. 2420. वियति वक्तां नतत्राणाम् dahin ziehen Paab. 54,13. dem Wasser entlang hinfahren, schwimmen: वरुता देकेन वरुनेन च KATHAS. 26,21. गङ्गा गच्कत तत्रासर्वक्सीं यां च पश्यय । मञ्जूषाम् 18,40. प्रवाके वक्दायातं सीवर्ण पद्मपञ्चकम् 40,84. 59,4. — 3) pass. dass.. उन्ह्याते तना स्नृ साम्पेपं मुखा र्यः १४. १,120,11. वक्त्रुक्यमानः 🗚 14,2,9. वाजिभिक्त्यमानाः MBu. 3,15672. उत्सती वातिभिर्दुतम् 1,5337. उत्समान इव वास्तीचितः पादचारमपि न व्यभावयत् Race. 11,10. युग्यैः तितिभृतां योग्यैहस्यमानाः (so ist zu lesen) Riéa-Tar. 3,33. र्थम्झलं दिव्यत्र्गे: Hariv. 6198. स रवा भारते उत्पर्वमुख्यमाना रणे तरा। उद्यामानमिवाकारी विवानं पाएड्री-र्रुयै: (so die ed. Bomb.) MBn. 7,757. उत्धमान इवाकाशे कालमेघेन चन्द्र-मा: Навіч. 3757. पाति विपत्पृक्यमानेव (उल्का) Vаван. Ври. S. 33,7. 24. तेन प्रवेन स पपाव्ह्यमाना मक्तिलो zu Schiffe fahrend Mink. P. 74,12. स्रोतसोद्यमानस्य (so ist zu lesen) vom Strome getrieben werdend Vikk. 24. मञ्जूषागता गर्भस्तरंगैह्यमानकः мвн. 3,17151. वेरशास्त्राणेवे घोर उद्यमाना इतस्तत: Verz. d. Oxf. H. 91, a, 2. गृणीचित्रस्यमान: Мытвыир. 3, 2. 6,30. — 4) fliessen, mit sich führen (von Flüssen): महिमानं वर्ह्सी: परि यति ए. ४, ३५, ३, १, ८३, १. प्रतीपं शापं नधी वक्ति 10, २८, ४. तिर-श्रीरापा वर्कात. Air. Ba. 4, 25. वर्क्ती: (sc. म्रापः) fliessendes Wasser TS. 7, 4, 14, 1. 6, 4, 2, 3. Катн. 22, 13. Кацс. 32. उदक्रमवक्त stehendes Wasser Açv. GRED. 4, 4, 10. प्रत्यमुक्तर्मकानचाः प्राञ्चलाः सिन्ध्सप्तमाः MBH. 5,2998. 16,3. Haury. 8287. 8297. ती रोदा: — वक्ति यत्र वै नयः мвн. 13,3790. R. 4,41,55. पर्गपकाराय वक्ति नद्य: Spr. 1734. 3921. KATHAS. 39, 37. Verz. d. Oxf. H. 120, a, 16. Buag. P. 7, 4, 17. Mark. P. 99, ६. वरुति निकरे कालस्रोतः Spr. 1158. इन्देन चोदकं तस्य वरुत्याव-िर्जतं इतम् zufliessen MBn. 3,2936. नघश्च सिर्तो वारि वरुह्यो ब्रह्मसं-भवम् 14,783. ऊकुः सर्वरसान्नद्यः Bulg. P. 4,19,8. तायं वरुति सिरा प-िश्चमा Vandu. Bau. S. 54, 6. 19. 21. 36. 39. 66. 71. 73. ग्रस्नीघं मुक्रह्रक्तुः liessen einen Thränenstrom fliessen Bulg. P. 4, 9, 48. (গ্রিছ:) ববাহ (!) रताम् Mirk. P. 88, 45. — 5) wehen (dahinfahren vom Winde): मन्दं न-कृति माह्नत: R. 3,78,13. Spr. 3:37. Gir. 5,2. San. D. 19,18. — 6) heimführen, heirathen; med.: जनी: RV. 1,167,7. 5,37,3. य ई वर्हाते य ई वा वरेपात 10,27,11. MBn. 1,3377. 3384. act.: उमे ते एऋणूत्केन वहेत् M. 8, 204. 9, 94. R. 1, 73, 36. KATHAS. 45, 357. 58, 86. 84, 65. BHAG. P. 3, 3,4. 4,1,6. 6,6,31. 9,2,18. 24,22. वाढ्म् 4,8,18. МВн. 13,5090. act. vom Weibe: ज़ाया परितं वकूति वसुनी सुमत् २.४. 10,32,3. ऊढा *gehei*rathet, verheirathet (Gattin H. 513) AK. 2, 6, 1, 23. MBu. 3, 7459. R. Gorr. 2,34,8. 53,16. Kumaras. 3,70. Kathas. 36,54. সূন্তা R. 2,63,13. so v. a. Concubine San. D. 81. ऊढपूर्वा Çan. 79,15. 110, 17. देवाला, म्रा-षाठा M. 3,38. जायोठन ebend. aus metrischen Rücksichten statt जायो-ভার. শ্বনুত unverheirathet (vom Manne) AK. 2,7,55. H. 526. ক্রভান্সেশ্নি seit der Verheirathung (eines Weibes) MBn. 3,2961. Die Form बाढ (vgl. सोठि) in der Stelle: इदं भार्याशतम् — पुत्राधिना मया वे। हम् (चे। हम्?) МВн. 3, 10482. — 7) mit sich —, bei sich führen: न स पथ्यादनं वरुत् Spr. 4816. या कि किता दिन्नश्रेष्ठं गननाता वकेत् 2575. — 8) zuführen: गुकासमी-रणो गन्धात्रानाप्ष्पभवान्वरून् R. 2,94,14. दिव्यगन्धवरूदात Катная. 50, 190. 55,34. निदाघकाले प्रालेयं प्रापः शैत्यं वक्त्यलम् Spr. 1295. र्-